विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक

विद्या आश्रम, सारनाथ, वाराणसी

15 अप्रैल 2017

विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक 15 अप्रैल 2017 की दोपहर को आश्रम परिसर में सम्पन्न हुई। यह बैठक पहले 12 अप्रैल को रखी गई थी लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते इसे स्थगित करना पड़ा और 15 अप्रैल को यह सम्पन्न हुई। वाराणसी के बाहर रहने वाले सदस्यों से सुझाव और विचार आमंत्रित किये गये थे, जिन्हें बैठक में रखा गया। बैठक में समन्वयक चित्रा सहस्रबुद्धे, कोषाध्यक्ष प्रेमलता सिंह और सदस्य लक्ष्मण प्रसाद उपस्थित रहे। एहसान अली के बेटा अस्पताल में होने की वजह से वे नही आ सके।

कार्यवाही

1. लोकविद्या जन आन्दोलन के कार्यक्रम वाराणसी, सिंगरौली, इन्दौर, वैजापुर, औरंगाबाद में सक्रियता से चलते रहे हैं। इनमें विद्या आश्रम की और विशेषकर वाराणसी से कार्यकर्ताओं की भागीदारी के स्वरूप पर चर्चा हुई। इन्दौर और औरंगाबाद से संजीव दाजी द्वारा लोकविद्या जन आन्दोलन को मज़बूत करने के कार्यों का समर्थन करना चाहिये। इनमें वाराणसी से कुछ नये लोगों को भेजा जाना चाहिये ताकि लोकविद्या के कार्य अन्य जगह कैसे हो रहे हैं इसकी जानकारी फैले। इन्दौर और वैजापुर की कला ज्ञान पंचायत में ऐसा प्रयास किया जायगा।
2. ज्ञान पंचायत का ढांचा, पांच खम्भों की मडई को ज्ञान पंचायत का प्रतीक बनाकर इसे हर ज्ञान पंचायत में लगाया जाये। इसका हलका और सहज उठाकर ले जाने वाला नमूना भी बना लिया गया है।
3. इस वर्ष यानि वर्ष 2017–18 के लिये विद्या आश्रम वाराणसी से लिये जाने वाले कार्यों के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा हुई। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी किसान कारीगर महापंचायत का आयोजन किया जायेगा और इस बार बिहार, झारखण्ड़ और छत्तीसगढ़ के समाजों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को इसमें भागीदार बनाने का प्रयास किया जायेगा। इसके लिये सम्पर्क और वार्तायें शुरू की जायेंगी। इसके अलावा लोकविद्या दर्शन पर कार्य सघन किया जायेगा। इसके लिये इन्टरनेट पर संवाद, वीडियो निर्माण, पुस्तिकाओं/पत्रिकाओं का प्रकाशन और गोष्ठियां आयोजित की जायेंगी। इन सभी के लिये लोकविद्या सत्संग और ज्ञान पंचायतों का सिलसिला चलाया जायेगा। वाराणसी ज्ञान पंचायत सलारपुर में चलाई जा रही है। कारीगर नजरिया के कार्य और किसान आन्दोलन में भागीदारी जारी रहेगी। परिसर पर बच्चों के लिये एक भाईचारा विद्यालय बाल पुस्तकालय व वाचनालय चलाया जा रहा है, उसे अधिक सक्रिय बनाया जायेगा।
4. एक 'स्वराज पुस्तकमाला' प्रकाशित की जायेगी।
5. विद्या आश्रम की व्यवस्था और संचालन का पुनर्संगठन किया गया। विद्या आश्रम परिवार में बबलू कुमार, नंदलाल, आरती, दीना मिस्त्री, चम्पा देवी, चिंतन ढाबा के राजेन्दर पाल और कुछ वे लोग शामिल हैं जो चिंतन ढाबा पर नियमित बैठते हैं, इनमें रिक्शेवाले और फेरी वाले हैं। इस परिवार और परिसर की व्यवस्था के लिये लक्ष्मण प्रसाद कार्यालय सचिव, फिरोज खान और प्रभावती देवी संयुक्त रूप से आश्रम के व्यवस्थापक और अंजू देवी भाईचारा विद्यालय बाल पुस्तकालय की संयोजिका बनाईं गईं।

6. बैठक में डा. कृष्णराजुलु द्वारा प्रस्तावित विद्या आश्रम न्यास संशोधन (7 अप्रैल का मेल) तथा विद्या आश्रम के विकेन्द्रिकृत पुनर्संगठन का प्रस्ताव (18 अप्रैल का मेल) रखा गया, जिस पर सभी की सहमति रही।

बैठक के प्रारंभ में आश्रम के शुरू से सहयोगी राजित राम सिंह जी के आकस्मिक निधन और उनकी आश्रम के प्रति निष्ठा और सेवा को सभी सदस्यों ने बड़े सम्मान के साथ याद किया।